पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर हिन्दी 2007

पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

पहला सत्र

पाठ्यक्रम - 1	मध्यकालीन काव्य
पाठ्यक्रम - 2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)
पाठ्यक्रम - 3	आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास
पाठ्यक्रम - 4	भाषा-विज्ञान

दूसरा सत्र

पाठ्यक्रम - 5	भक्ति एवं रीति-काव्य
पाठ्यक्रम - 6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
पाठ्यक्रम - 7	आधुनिक गद्य साहित्य
पाठ्यक्रम - 8	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

तीसरा सत्र

पाठ्यक्रम - 9	भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन
पाठ्यक्रम - 10	अनुवाद विज्ञान
पाठ्यक्रम - 11	छायावादी काव्य
पाठ्यक्रम - 12	लोक साहित्य : सैद्धान्तिक विवेचन (एक) अथवा आधुनिक हिन्दी उपन्यास (दो)

चौथा सत्र

पाठ्यक्रम - 13	छायावादोत्तर काव्य
पाठ्यक्रम - 14	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत
पाठ्यक्रम - 15	अनुवाद विज्ञान : व्यावहारिक पक्ष
पाठ्यक्रम - 16	लोक साहित्य : प्रायोगिक आयाम (एक) अथवा समकालीन हिन्दी उपन्यास (दो)

कुल प्रश्न पत्र - 16

ह0
(प्रोफ़ेसर कुमार कृष्ण)
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं
अध्यक्ष अध्ययन समिति
हि0प्र0 विश्वविद्यालय, शिमला-5

प्रश्न पत्र - 1

<u>मध्यकालीन काव्य</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन किया जाएगा -

1. कबीर

पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली, (सं0) डॉ0 श्यामसुन्दर दास (विभिन्न अंगों से चयनित निम्नलिखित 100 साखियाँ तथा 25 पद)

साखियाँ = गुरूदेव कौ अंग (दोहा संख्या 27,34,3,4,13,17) विरह कौ अंग (3,11,12,22,38,39,40) परचा कौ अंग (3,7,13,17,23,35,39,44) चितावणी कौ अंग (1,2,4,13,18,34) माया कौ अंग (7,11,32) साँच कौ अंग (5,6,7,11) भेष कौ अंग (7,10,12,17) कुसंगति कौ अंग (2,6,7) साध कौ अंग (2,4,6) साध महिमा कौ अंग (3,7,8) बेसास कौ अंग (10,15,18,20) समुचाई कौ अंग (1,5,11,12) जीवन मूरक कौ अंग (1,2,4,5,6,9,14) गुरूसिश हैरा कौ अंग (3,5,8,13) मूरातन कौ अंग (19,21,24,26,33,34,36) काल कौ अंग (1,5,6,11,14,19,20,29,32) सजीवनी कौ अंग (2,3,4,6) अपारिष कौ अंग (1,2,3,4) पास्वि कौ अंग (1,2,3) कस्तूरियाँ मृग कौ अंग (1,4,9) निधा कौ अंग (3,5,6,7,9) कुल साखियाँ = 100

पद : पद संख्या -

1,2,15,16,17,24,39,43,44,47,49,51,58,72,111,115,207,249,250,338,354,355,356,387, 402 कुल पद = 25

2. सूरदास

पाठ्य पुस्तक : भ्रमरगीत सार (सं0) रामचन्द्र शुक्ल (निम्नलिखित 50 पद)

पद संख्या : 1-12 तक, 18 से 28 तक, 56 से 64 तक, 75,83,85,89,91,92,99,100,105,138,160,171,176,182,375,380,400

3. तुलसीदास

पाठ्य पुस्तक : रामचरित मानस (गीता प्रैस) एक काण्ड के निम्नलिखित 50 दोहे-चौपाइयाँ ।

बाल काण्ड : दोहा संख्या : 6 से 7 तक (दोहे एवं चौपाइयाँ कुल = 11)

दोहा 254 से 261 (दोहे चौपाइयों सहित कुल = 41)

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

तीन व्याख्याएँ : 3 x 10 = 30 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 x 20 = 60 अंक, अतिलघूत्तरी प्रश्न : 2 x 5 = 10 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

तीन व्याख्याएँ : 3 x 8 = 24 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 x 17 = 51 अंक, अतिलघूत्तरी प्रश्न : 1 x 5 = 5 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

आवश्यक निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर तीन कवियों – कबीर, सूरदास तथा तुलसीदास पर शतप्रतिशत विकल्पों के साथ व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से तीन को व्याख्यायित करना होगा ।
2. तीन कवियों (कबीर, सूरदास, तुलसीदास) पर पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन के ही उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच के ही उत्तर देने होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली ।
2. सन्त कबीर : डॉ0 राम कुमार वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
3. भारतीय साधना और सूर साहित्य : मुंशी राम शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
4. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई ।
5. सूर की काव्य कला : मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली ।
6. कबीर मीमांसा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती, इलाहाबाद ।
7. तुलसी काव्य मीमांसा, उदय भानु सिंह ।
8. तुलसी : आधुनिक वातायन से, रमेश कुन्तल मेघ, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
9. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प, प्रकाश दीक्षित, सरस्वती पुस्तक मंदिर, आगरा ।
10. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, का0ना0प्र0सभा, वाराणसी ।
11. पूरा कबीर, डॉ0 बलदेव वंशी (सं0) प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
12. सूर और उनका साहित्य, हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
13. कालजयी कबीर, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर ।
14. तुलसीदास, चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
15. सूर की साहित्य साधना, भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा ।
16. सुखविन्दर कौर, कबीर का लोकतात्त्विक चिन्तन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
17. कुमार कृष्ण (सं0) कबीर : विविध परिप्रेक्ष्य, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला ।

प्रश्न पत्र - 2

<u>हिन्दी साहित्य का इतिहास</u> समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
(आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

<u>इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास ।</u>
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।
हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण ।
हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ-साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य ।
हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य साहित्य। प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ ।
पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवं भक्ति-आन्दोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य ।
प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और उनका अवदान ।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रन्थ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व ।
राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य । भक्तिकालीन गद्य-साहित्य ।
उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्ष्ण-ग्रन्थों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ । रीतिकालीन गद्य साहित्य ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. डॉ0 नगेन्द्र, हिन्दी साहित्स का इतिहास, नेशनल, दिल्ली ।
2. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, का0ना0प्र0स0 वाराणसी ।
3. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना ।
4. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, राजकमल, दिल्ली ।
5. गणपति चन्द्र गुप्त, हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, इलाहाबाद ।
6. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण, दिल्ली ।
7. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य का अतीत, वाणी वितान, वाराणसी ।
8. रामसजन पाण्डेय, (सं0) हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाऊस, रोहतक ।

प्रश्न पत्र - 3

<u>आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास</u> समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो नाटकों तथा दो उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा ।

<u>पाठ्य विषय</u>
व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित -

1. स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद ।
2. आधे अधूरे : मोहन राकेश ।
3. गोदान : प्रेमचन्द ।
4. मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

चार व्याख्याएँ 4 x 9 = 36 अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न 4 x 12 = 48 अंक,
आठ अति लघूत्तरी प्रश्न 2 x 8 = 16 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

चार व्याख्याएँ 4 x 8 = 32 अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक,
आठ अति लघूत्तरी प्रश्न 1 x 8 = 8 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>आवश्यक निर्देश :</u>

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर नाटक स्कन्दगुप्त, आधे अधूरे, उपन्यास गोदान, मैला आँचल में से व्याख्याएँ शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जायेंगी जिनमें से चार को व्याख्यायित करना होगा ।
2. स्कन्दगुप्त, आधे अधूरे, गोदान, मैला आँचल में से छः आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक विधा के आधार पर) पूछे जायेंगे जिनमें से चार के उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर आठ अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से आठ के ही उत्तर देने होंगे ।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. आधुनिकता और मोहन राकेश, डॉ0 उर्मिल मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. नाटककार मोहन राकेश, डॉ0 जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
3. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, नेमिचन्द्र जैन (सं0) मैक्मिलन्, दिल्ली ।
4. हिन्दी कथा साहित्य : परख और पहचान, कुमार कृष्ण, विभूति प्रकाशन, दिल्ली ।
5. मोहन राकेश के कथा साहित्य में मानवीय सम्बन्ध, चमन लाल गुप्ता, भावना प्रकाशन, दिल्ली
6. रामविलास शर्मा, प्रेमचन्द और उन का युग, राजकमल, दिल्ली ।

7. राजेश्वर गुरु, प्रेमचन्द एक अध्ययन, मध्य प्रदेशीय प्रकाशन समिति, भोपाल ।
8. अशोक कुमार आलोक (सं0) फणीश्वर नाथ रेणु : सृजन और सन्दर्भ, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
9. हरिशंकर दुबे, फणीश्वर नाथ रेणु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, विकास प्रकाशन ।
10. गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश और उनके नाटक, लोक भारती, इलाहाबाद ।
11. गोविन्द चातक, प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती, दिल्ली ।

प्रश्न पत्र - 4

भाषा विज्ञान **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

भाषा विज्ञान

भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा(ल लाँग) और वाक् (ल पेरोल) भाषा-व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य । भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएं-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

स्वनप्रक्रिया : स्वनप्रक्रिया का स्वरूप और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन । स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण ।

व्याकरण : रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त आबद्ध, अर्थ्रदर्शी और सम्बन्धदर्शी, सम्बन्धदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य ।

वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना ।

अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध । अर्थ-परिवर्तन : कारण और दिशाएं ।

साहित्य और भाषा विज्ञान : साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान की उपयोगिता ।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद ।
3. तिलक सिंह, नवीन भाषाविज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
4. कपिलदेव शास्त्री, भाषाविज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
5. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ ।
6. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सैद्धान्तिक एवं अनुपयुक्त भाषा-विज्ञान, साहित्य सहकार, दिल्ली ।
7. हरिश्चन्द्र वर्मा, भाषा और भाषा-विज्ञान, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
8. नरेश मिश्र, भाषा और भाषा-विज्ञान, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. सीताराम झा 'श्याम', भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेष्ण, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना ।

प्रश्न पत्र - 5

भक्ति - रीति काव्य **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या तथा विवेचना के लिए निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन किया जायेगा -

1. जायसी
   पाठ्य पुस्तक : पद्मावत, (सं0) रामचन्द्र शुक्ल (दो खण्ड)
   मानसरोदक खंड, नागमती संदेश खण्ड ।
2. घनानंद
   पाठ्य पुस्तक : धनआनंद कवित्त, (सं0) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (25 छंद)
   1 से 20, 23, 31, 37, 38, 39
3. बिहारी
   पाठ्य पुस्तक : बिहारी रत्नाकर (सं0) जगन्नाथदास रत्नाकर (100 दोहे)
   पद संख्या:2,15,20,25,26,32,35,38,46,60,69,70,73,85,88,93,102,104,106,110,118, 123,141,148,171,172,199,204,205,217,222,230,236,253,255,262,267,273,285, 295,300,304,306,315,322,334,340,345,360,362,390,391,401,402,407,411,413, 420,428,429,431,433,435,437,450,457,472,474,475,476,478,483,485,487,488, 489,496,497,500,503,507,542,551,572,573,578,583,586,606,620,663,668,676, 685,689,694,695,699 ।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

तीन व्याख्याएँ 3 x 10 = 30 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 20 = 60 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 2 x 5 = 10 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

तीन व्याख्याएँ 3 x 8 = 24 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 17 = 51 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 1 x 5 = 5 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

आवश्यक निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर तीन कवियों - जायसी, घनानन्द, बिहारी पर व्याख्याएँ शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जायेंगी, जिनमें से तीन को व्याख्यायित करना होगा ।
2. तीन कवियों (जायसी, घनानन्द, बिहारी) पर पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन के ही उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पाँच के ही उत्तर देने होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. जायसी, डॉ0 राम पूजन तिवारी (सं0), लोक भारती, इलाहाबाद ।
2. मलिक मुहम्मद जायसी, कमल कुलश्रेष्ठ, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
3. जायसी ग्रन्थावली, रामचन्द्र शुक्ल, का0ना0प्र0 सभा वाराणसी ।
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना, डॉ0 बच्चन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
5. बिहारी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी ।
6. बिहारी,: नया मूल्यांकन, डॉ0 बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
7. घनानन्द और स्वछन्द काव्यधारा, डॉ0 मनोहर लाल गौड़, का0ना0प्र0 सभा वाराणसी ।
8. घनानन्द का काव्य, डॉ0 रामदेव शुक्ल, मैक्मिलन, दिल्ली ।
9. घनानन्द, डॉ0 लल्लन राय, साहित्य अकादमी, दिल्ली ।

प्रश्न पत्र - 6

<u>हिन्दी साहित्य का इतिहास</u> (आधुनिक काल) **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण ।
भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।
द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।
हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास-छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।
उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता । प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ । हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज़ आदि) का विकास ।
हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. डॉ0 नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल, दिल्ली ।
2. डॅर0 बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण, दिल्ली ।
3. डॉ0 बच्चन सिंह, आचार्य शुक्ल का इतिहास पढ़ते हुए, नेशनल, दिल्ली ।
4. डॉ0 शिव कुमार, हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन, मैक्मिलन, दिल्ली ।
5. डॉ0 रामकुमार वर्मा, हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामनारायण लाल, इलाहाबाद ।
6. रामसजन पाण्डेय, (सं0) हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाऊस, रोहतक ।

प्रश्न पत्र - 7

<u>आधुनिक गद्य साहित्य</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निबन्ध तथा कहानी विधा का अध्ययन किया जाएगा ।

<u>पाठ्य विषय</u>

1. निबन्ध
   निम्नलिखित निबन्धकारों के सात निबन्धों का अध्ययन -
   बालकृष्ण भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय ।
   पाठ्य पुस्तक : ओम प्रकाश सारस्वत द्वारा सम्पादित पुस्तक "निबन्धायन" (निर्मल प्रकाशन, दिल्ली) ।
2. कहानी
   निम्नलिखित कहानीकारों की सात कहानियों का अध्ययन -
   चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, निर्मल वर्मा, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव, उषा प्रियम्वदा ।
   पाठ्य पुस्तक : कुमार कृष्ण द्वारा सम्पादित पुस्तक "प्रतिनिधि कहानियाँ" (वाणी प्रकाशन, दिल्ली) ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश</u>

चार व्याख्याएँ 4 x 9 = 36 अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न 4 x 12 = 48 अंक,
आठ अति लघूत्तरी प्रश्न 8 x 2 = 16 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

चार व्याख्याएँ 4 x 8 = 32 अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक,
आठ अति लघूत्तरी प्रश्न 8 x 1 = 8 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>आवश्यक निर्देश :</u>

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर निबन्ध की पाठ्य पुस्तक तथा कहानी की पाठ्य पुस्तक में से व्याख्याएँ शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएंगी जिनमें से चार को व्याख्यायित करना होगा ।
2. निबन्ध संग्रह तथा कहानी संग्रह के आधार पर छः आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार के उत्तर दने होंगे ।
3. निर्धारित पाठ्यक्रम पर आठ अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से आठ के ही उत्तर देने होंगे ।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. मधुरेश, नयी कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. नरेन्द्र मोहन, समकालीन कहानी की पहचान, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली ।
3. कुमार कृष्ण, कहानी के नये प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्न पत्र - 8

<u>हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि</u> समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

<u>हिन्दी भाषा</u>

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ । मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उन की विशेषताएँ । आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ । खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।

हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्रीय, खंड्येत्तर । हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास । व्याकरिणक कोटियाँ - लिंग, वचन, पुरूष कारक और काल (पक्ष और वृत्ति) हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया । वाक्यरचना और उस के भेद, पदक्रम और अन्विति ।

हिन्दी के विविधि रूप : सम्पर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मानक-भाषा, संचार-भाषा ।

देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण, हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा का इतिहास, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
2. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3. उदयनारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, लीडर प्रेस, प्रयाग ।
4. हरीशचन्द्र पाठक, हिन्दी भाषा : इतिहास और संरचना, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
5. नरेश मिश्र, भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6. कृष्ण कुमार गोस्वामी, शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिन्दी; आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।
7. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8. सीताराम झा'श्याम', भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना ।

प्रश्न पत्र - 9

भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।
रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।
अलंकार-सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।
रीति-सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापना ।
वक्रोक्ति-सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।
ध्वनि-सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य ।
औचित्य-सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद ।
(ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. पंडित बलदेव उपाध्याय, भारतीय काव्य शास्त्र, नन्द किशोर एण्ड सन्स, वाराणसी ।
2. पं0 बलदेव उपाध्याय, संस्कृत आलोचना, भार्गव प्रेस, इलाहाबाद ।
3. डॉ0 भगीरथ, भारतीय काव्यांग, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
4. डॉ0 सुशील कुमार डे, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, बिहार ग्रंथ अकादमी ।
5. डॉ0 भगीरथ मिश्र, हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
6. भगवद्स्वरूप मिश्र, हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास, साहित्य सदन, देहरादून ।
7. राजवंश सहाय, अलंकार शास्त्र की परम्परा, बिहार ग्रन्थ अकादमी ।
8. डॉ0 बच्चन सिंह, आलोचक और आलोचना, नेशनल, दिल्ली ।
9. डॉ0 उदयभानु सिंह, भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली ।
10. डॉ0 नगेन्द्र, भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली ।
11. त्रिभुवन राय, ध्वनि सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख आचार्य, अरविन्द प्रकाशन, बम्बई ।
12. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्य शास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
13. सुरेश सिन्हा, हिन्दी आलोचना का विकास, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
14. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।

प्रश्न पत्र - 10

<u>अनुवाद विज्ञान</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

1. अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप और सीमाएँ ।
2. अनुवाद का व्यापक और सीमित संदर्भ-अतंः भाषिक, अंतरभाषिक और अंतर प्रतीकात्मक ।
3. अनुवाद की प्रकृति : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प ।
4. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन, विश्लेषण-भाषिक स्तर पर और विषय वस्तु के स्तर पर अर्थांतरण-समतुल्यता का सिद्धांत, पुनर्गठन-अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया ।
5. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार - शब्द प्रतिशब्द अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, लिप्यंकन और लिप्यंतरण ।
6. अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।
2. वासुदेव नन्दन प्रसाद, हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, भारती भवन, पटना ।
3. कैलाश चन्द्र भाटिया, अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
4. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
5. डॉ0 नगेन्द्र (सं0), अनुवाद विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।
6. डॉ0 गार्गी गुप्त (सं0), अनुवाद बोध, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली ।
7. डॉ0 एन0ई0 विश्वनाथ अय्यर, अनुवाद कला, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
8. डॉ0 पूरन चन्द टंडन, अनुवाद साधना, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली ।
9. डॉ0 सोहन शर्मा (सं0), अनुवाद : सोच ओर संस्कार, समिति प्रकाशन, बम्बई ।
10. डॉ0 दिनेश चमोला 'शैलेश', अनुवाद और अनुप्रयोग, आदिश प्रकाशन, देहरादून ।

प्रश्न पत्र - 11

छायावादी काव्य **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए तीन कवि निर्धारित किए गए हैं :

1. जयशंकर प्रसाद
   पाठ्य पुस्तक : कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" ('राम की शक्ति पूजा' एवं 'सरोज स्मृति' कविताएँ)
3. सुमित्रानन्दन पंत ('परिवर्तन', 'नौका विहार', 'एकतारा', 'आ धरती कितना देती है' कविताएँ)

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

तीन व्याख्याएँ 3 x 10 = 30 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 20 = 60 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 2 x 5 = 10 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

तीन व्याख्याएँ 3 x 8 = 24 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 17 = 51 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 1 = 5 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

आवश्यक निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर तीन कवियों - जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" तथा सुमित्रानन्दन पंत पर व्याख्याएँ शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जायेंगी, जिनमें से तीन को व्याख्यायित करना होगा ।
2. तीन कवियों (जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" तथा सुमित्रानन्दन पंत) पर पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच के ही उत्तर देने होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. प्रसाद का काव्य, डॉ0 प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
2. जयशंकर प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
3. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल, दिल्ली ।
4. निराला, डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं0), लोक भारती, इलाहाबाद ।
5. आत्महन्ता आस्था निराला, दूधनाथ सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।

6. क्रांतिकारी कवि निराला, डॉ0 बच्चन सिंह, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
7. ई-चेलिशेव, सुमित्रानन्दन पंत तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परम्परा और नवीनता, राजकमल, दिल्ली ।
8. सी.डी. वशिष्ठ, सुमित्रानन्दन पंत : व्यक्ति एवं कवि, शब्द और शब्द, दिल्ली ।
9. निराला की साहित्य साधना, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
10. छायावाद के गौरव चिह्न, श्रीपाल सिंह, हिन्दी प्रचारक पुस्कतकालय, वाराणसी ।
11. छायावादी काव्य और निराला, कुमारी शान्ति श्रीवास्तव, ग्रंथम, कानपुर ।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 12 (एक)

<u>लोक साहित्य : सैद्धान्तिक विवेचन</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांकः 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

1. लोक साहित्य : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं और वर्गीकरण ।
2. लोक संस्कृति तात्विक विश्लेषण ।
3. लोक संस्कृति और लोक साहित्य ।
4. अभिजात (शिष्ट) साहित्य और लोक साहित्य का अन्तः सम्बन्ध ।
5. लोक साहित्य का महत्त्व ।
6. लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों (इतिहास, समाजशास्त्र, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, नृविज्ञान, चिकित्साशास्त्र) से सम्बन्ध ।
7. भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास ।
8. लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का सैद्धान्तिक विश्लेषण (लोक-गीत, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नाटक, लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां ।
9. लोक साहित्य की आलोचना के मानदण्ड ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. डॉ0 सत्येन्द्र, लोक-सहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल, आगरा ।
2. डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
3. डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय, लोक साहित्य का अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद ।
4. डॉ0 हरिराम जस्टा, हिमाचल की लोक संस्कृति, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
5. डॉ0 बंशीराम शर्मा, हिमाचल लोक संस्कृति के स्रोत, आर्य प्रकाशन मण्डल, दिल्ली ।
6. डॉ0 श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्यांकन, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
7. डॉ0 श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
8. डॉ0 जगत पाल शर्मा, मण्डियाली का भाषा शास्त्रीय अध्ययन, शब्द और शब्द, दिल्ली ।
9. डॉ0 गौतम व्यथित, हिमाचल प्रदेश : लोक संस्कृति और लोक साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली ।
10. लोक जीवन और परम्पराएँ, कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला ।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 12 (दो)

<u>आधुनिक हिन्दी उपन्यास</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

उपन्यास का स्वरूप, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियाँ, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तुशिल्पगत वैशिष्ट्य ।
व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित तीन उपन्यासों का विद्यार्थी अध्ययन करेंगे -

1. रंगभूमि - प्रेमचन्द
2. मृगनयनी - वृन्दावन लाल वर्मा ।
3. बलचनमा - नागार्जुन ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

तीन व्याख्याएँ 3 x 10 = 30 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 20 = 60 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 2 = 10 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

तीन व्याख्याएँ 3 x 7 = 21 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 18 = 54 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 1 = 5 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>आवश्यक निर्देश :</u>

1. मृगनयनी, रंगभूमि तथा बलचनमा उपन्यासों से शतप्रतिशत विकल्पों के साथ व्याख्याएँ पूछी जाएंगी जिनमें से तीन अनुच्छेदों को व्याख्यायित करना होगा ।
2. रंगभूमि, मृगनयनी तथा बलचनमा में से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से तीन के ही उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के ही उत्तर देने होंगे ।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. महेन्द्र भटनागर, समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
2. नंद दुलारे वाजपेयी, प्रेमचन्द साहित्यिक विवेचन, मैक्मिलन, दिल्ली ।
3. रामविलास शर्मा, प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. शशिभूषण सिंहल, उपन्यासकार वृन्दावन लाल वर्मा, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
5. सत्यनारायण, नागार्जुन : कवि और कथाकार, रचना प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्न पत्र - 13

<u>छायावादोत्तर काव्य</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन किया जायेगा :

1. रामधारी सिंह "दिनकर"
   पाठ्य पुस्तक : उर्वशी (अन्तिम अंक)
2. स.ही.वात्स्यायन "अज्ञेय"
   नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, मैंने देखा एक बूंद, सोन मछली, रात होते प्रात होते, दूज का चाँद, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान कविताएँ ।
   पाठ्य पुस्तक : लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
3. ग.मा.मुक्तिबोध
   "अंधेरे में" कविता ।
   पाठ्य पुस्तक : चाँद का मुँह टेढ़ा है, गजानन माधव मुक्तिबोध भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

तीन व्याख्याएँ 3 x 10 = 30 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 20 = 60 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 2 = 10 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

तीन व्याख्याएँ 3 x 8 = 24 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 17 = 51 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 1 = 5 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>आवश्यक निर्देश :</u>

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर तीन कवियों - "दिनकर", "अज्ञेय", मुक्तिबोध पर व्याख्याएँ शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जायेंगी जिनमें से तीन को व्याख्यायित करना होगा ।
2. तीन कवियों ("दिनकर", "अज्ञेय", मुक्तिबोध) पर पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच के ही उत्तर देने होंगे ।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की सस्या, डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
2. अज्ञेय की कविता : परम्परा और प्रयोग, डॉ0 रमेश ऋषिकल्प, अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली ।

3. समकालीन काव्ययात्रा, नंदकिशोर नवल, किताबघर, दिल्ली ।
4. समकालीन हिन्दी कविता, विश्वनाथप्रसाद तिवारी, राजकमल, दिल्ली ।
5. कविता की सार्थकता, कुमार कृष्ण, साहित्यनिधि, दिल्ली ।
6. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, डॉ0 लल्लन राय, मंथन, रोहतक ।
7. सावित्री सिन्हा, (सं0) दिनकर, राधाकृष्ण, दिल्ली ।
8. सुशीला मिश्रा, दिनकर की साहित्य दृष्टि, अनुपम प्रकाशन, पटना ।
9. जगमोहन शर्मा, स्वच्छन्दतावाद और दिनकर का काव्य, शारदा प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्न पत्र - 14

<u>पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

(क) प्लेटो : काव्य-सिद्धांत ।
अरस्तु : अनुकरण-सिद्धान्त, त्रासदी-विवेचन ।
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा ।
वर्डसवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धांत ।
मैथ्यू आर्नेल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य ।
टी.एस.एलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य ।
आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना ।

(ख) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. डॉ0 नगेन्द्र, अरस्तु का काव्य शास्त्र, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. डॉ0 जगदीशचन्द्र जैन, पाश्चात्य समीक्षा-दर्शन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
3. डॉ0 बच्चन सिंह, आलोचक और आलोचना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. शम्भुदत्त, आई.ए.रिचर्डस के आलोचना सिद्धांत, भारती भवन, पटना ।
5. डॉ0 निर्मला जैन (सं0) नयी समीक्षा के प्रतिमान, नेशनल, दिल्ली ।
6. डॉ0 मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
7. डॉ0 शिव कुमार मिश्र, मार्क्सवादी साहित्य-चिन्तन, मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।
8. डॉ0 तारकनाथ बाली, पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास, मैक्मिलन, दिल्ली ।
9. डॉ0 शेखर शर्मा, पाश्चात्य समीक्षा और समीक्षक, प्रासंगिक प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्न पत्र - 15

<u>अनुवाद विज्ञान : व्यावहारिक पक्ष</u> समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय :</u>

1. अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि ।
2. अनुवाद : पुनरीक्षण, सम्पादन, मूल्यांकन ।
3. मशीनी अनुवाद ।
4. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य ।
5. अनुवादक के गुण ।
6. (क) भाषिक इकाइयाँ-शब्द, पदबंध और वाक्य
   (ख) पाठ की अवधारणा और अनुवाद
7. (क) व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्न पत्र में दिए गए अंग्रेज़ी अवतरण का हिन्दी अनुवाद तथा हिन्दी अवतरण का अंग्रेज़ी अनुवाद)।
   (ख) शब्दावली, केपशन और अभिव्यक्ति का अनुवाद ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

प्रश्न पत्र - 10 (अनुवाद विज्ञान) के लिए अनुशंसित पुस्तकें इस पत्र के लिए भी अनुशंसित हैं ।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 16 (एक)

<u>लोक साहित्य : प्रायोगिक आयाम</u> समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

1. लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की कठिनाइयां एवं कठिनाइयों के उपादान ।
2. लोक गीत : हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रों में प्रचलित विविध रूप ।
3. लोक नाट्य परम्परा एवं प्रविधि ।
4. हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव ।
5. हिमाचल प्रदेश के प्रमुख लोक नाट्य रूप ।
6. लोक कथा : कथानक रूढ़ियां अथवा अभिप्राय का तात्विक विश्लेषण ।
7. हिमाचल प्रदेश में प्रचलित लोक कथाओं के विविध रूप ।
8. लोक गाथा : ढोला-मारू, गोपीचन्द, भरथरी, गुगा-गाथा, हीर-रांझा, सोहनी-महीवाल, कुन्जु-चंचलो, रांझु-फुल्मू, मोहणा ।
9. लोक नृत्य : हिमाचल के विविध क्षेत्रों में प्रचलित प्रमुख लोक नृत्य ।
10. हिमाचल प्रदेश में प्रचलित कहावतों के विविध रूप ।
11. हिमाचल प्रदेश में प्रचलित मुहावरों के विविध रूप ।
12. हिमाचल प्रदेश में प्रचलित प्रमुख पहेलियां ।
13. हिमाचल के विविध क्षेत्रों में संकलित एवं विश्लेषित लोक साहित्य रूपों का संक्षिप्त परिचय ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम में से दस आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)
5 X 16 = 80 अंक (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 12 (लोक साहित्य) के लिए अनुशंसित पुस्तकें इस पत्र के लिए भी अनुशंसित हैं ।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 16 (दो)

<u>समकालीन हिन्दी उपन्यास</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100 (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)**
पूर्णांक : 80 (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>पाठ्य विषय</u>

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित तीन उपन्यासों का विद्यार्थी अध्ययन करेंगे -
1. तमस (भीष्म साहनी)
2. अपने-अपने अजनबी (अज्ञेय)
3. आपका बंटी (मन्नू भण्डारी)

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

तीन व्याख्याएँ 3 x 10 = 30 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 20 = 60 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 2 = 10 अंक । (पत्राचार एवं प्राईवेट परीक्षार्थी)

तीन व्याख्याएँ 3 x 7 = 21 अंक, तीन आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 18 = 54 अंक,
पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न 5 x 1 = 5 अंक । (रेगुलर परीक्षार्थी)

<u>आवश्यक निर्देश :</u>

1. "तमस", "अपने-अपने अजनबी तथा "आपका बंटी" में से पर्याप्त विकल्पों के साथ व्याख्याएँ पूछी जाएंगी जिनमें से तीन अनुच्छेदों को व्याख्यायित करना होगा।
2. "तमस", "अपने-अपने अजनबी तथा "आपका बंटी" में से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे ।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के ही उत्तर देने होंगे।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. राजेश्वर सक्सेना, भीष्म साहनी ; व्यक्ति और रचना, वाणी, प्रकाशन दिल्ली ।
2. विवेक द्विवेदी, भीष्म साहनी : उपन्यास साहित्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली ।
3. अनीता राजूरकर, कथाकार मन्नू भण्डारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. वंशीधर, राजेन्द्र मिश्र, मन्नू भण्डारी का श्रेष्ठ सर्जनात्मक साहित्य, नटराज पब्लिशिंग हाऊस, करनाल ।